प्रकाशनार्थ

निराला ने केवल हिंदी, बल्कि संस्कृत और बांग्ला की भी जातीय स्मृति के कवि हैं। उनकी कविता में 'स्मृति' बहुत महत्वपूर्ण है। निराला की कविता में आंख, विशेष कर स्त्रियों की आंख के विविध संदर्भ और छवियां मौजूद हैं। उनकी पहली काव्य पुस्तिका 'अनामिका' में उनकी समूची काव्य यात्रा का बीज मौजूद है। वे कालिदास, तुलसीदास, रवींद्र नाथ टैगोर के कद के कवि हैं। इसे मतवाला के महादेव बाबू सेठ और कुछ अन्य लोगों ने पहचाना। उनकी कविता में गरीब, वंचित, शोषित, निर्बल वर्ग की आवाज हैं। इनके लिए उनके हृदय में अमृत का भाव है।"

उक्त बातें हिंदी विभाग- इलाहाबाद विश्वविद्यालय की अत्यंत प्रतिष्ठित 'निराला व्याख्यानमाला' में निराला व्याख्यान माला में वक्तव्य देते हुए कल शाम हिंदी की ख्यात कवयित्री अनामिका ने कहा। अनामिका जी महादेवी के बाद इस व्याख्यानमाला में वक्तव्य देने वाली दूसरी स्त्री रचनाकार हैं। यह वर्ष सूर्यकांत त्रिपाठी की पहली कविता - पुस्तिका 'अनामिका' के प्रकाशन का सौवां वर्ष है। व्याख्यान का विषय था - 'अनामिका:निराला की काव्य यात्रा का आरंभ' । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ आलोचक प्रो. राजेंद्र कुमार ने कहा कि निराला छायावाद के रूपायन के ही नहीं, रूपांतरण के कवि हैं। उनकी एक आंख अतीत की ओर है, दूसरी भविष्य की ओर। अतीत और भविष्य की ओर साथ-साथ देखने की तहजीब विकसित करने वाले कवि हैं निराला।

अनामिका जी ने वक्तव्य के बाद अपनी कुछ नयी और कुछ बहुचर्चित कविताओं का पाठ भी किया जो मंत्रमुग्ध कर देने वाला था। व्याख्यान के आरंभ में अनामिका जी को विभागाध्यक्ष प्रो. प्रणय कृष्ण ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। प्रो. राजेंद्र कुमार का गुलदस्ते से स्वागत विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक डॉ. राकेश सिंह ने किया। अतिथियों के लिए स्वागत वक्तव्य विभागाध्यक्ष प्रो. प्रणय कृष्ण ने दिया । नवोदित कवयित्री मिथिलेश कुमारी के पहले कविता संग्रह 'प्रज्वलित' का लोकार्पण भी हुआ। कार्यक्रम का संचालन निराला व्याख्यानमाला के संयोजक डॉ सूर्य नारायण ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमृता ने। हरीशचंद पाण्डे, यश मालवीय, आनंद मालवीय, प्रो. अनिता गोपेश मनोज कुमार पांडेय, डॉ. सुधांशु मालवीय, डा. रचना आनंद, प्रो. विवेक तिवारी हितेश सिंह, अमिता शीरीं, मनीष आजाद, सीमा आज़ाद, डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. मिथिलेश सहित शहर के कई साहित्यिकार, शिक्षक और भारी संख्या में शोधछात्र/ छात्र उपस्थित थे।

निरामा स्वास्थ्यमाला

निराला व्याख्यानमाला

निराला व्याख्यानमाला

निराला व्याख्यानमाला

निराला व्याख्यानमाला
'अनामिका:निराला की काव्य यात्रा का आरंभ'
वक्तव्य और काव्यपाठ : अनामिका
अध्यक्षता : प्रणय कृष्ण
संचालन : सूर्यनारायण
:13अक्टूबर,2023 , 5 बजे, शाम
आयोजक

व्याख्यानमाला